असाइनमेंट :- 12 विषय :- हिंदी कक्षा :- तीसरी शिक्षिका :- श्रीमती इंदरजीत कौर

नाम :- _____ सेक्शन :- _____ रोल नंबर :- _____दिनांक :- ___/08/2020

अपठित ग्दयांश

पुराने समय में भी लोग कहानियाँ सुनते और सुनाते थे। राजा-रानी, परियों की कहानी, शेर और गीदड़ की कहानी। माँ- बाप, बच्चे, दादी-नानी को घेरकर बैठ जाते और बार-बार अपनी मनपसंद कहानी सुनते। बड़े होने पर वे बच्चे अपने बच्चों को कहानी सुनते। फिर बड़े होकर यह बच्चे आगे अपने बच्चों को वही कहानियाँ सुनाते। इस तरह कहानियों का यह सिलसिला आगे बढ़ता। कहानी सुनाने के भी कई तरीके थे। कोई आवाज़ बदल-बदल कर सुनाता। कोई आँखें मटका कर। कोई हाथ के इशारों से बात आगे बढ़ाता। सुनने-सुनाने से ही कई कहानियाँ आज हम तक पहुँची हैं।

ऊपर दिए ग्दयांश के आधार पर नीचे लिखे के उत्तर दो -

प्रश्न 1 :- पुराने समय में लोग किस तरह की कहानियाँ सुनते और सुनाते थे?

उत्तर :- पुराने समय में लोग राजा-रानी ,परियों ,शेर और गीदड़ की कहानियाँ सुनते और सुनाते थे।

प्रश्न 2 :- माँ -बाप और बच्चे कहानी सुनने के लिए किन्हें घेरकर बैठ जाते थे ?

उत्तर :- माँ -बाप और बच्चे कहानी सुनने के लिए दादी-नानी को घेरकर बैठ जाते थे।

प्रश्न 3 :- बच्चे बड़े होकर सुनी हुई कहानियाँ किन्हें सुनाते थे?

उत्तर :- बच्चे बड़े होकर सुनी हुई कहानियाँ अपने बच्चों को सुनाते थे।

प्रश्न 4 :- कहानी सुनाने के कोई दो तरीके बताओ।

उत्तर :- कोई आवाज़ बदलकर कहानी सुनाता तो कोई आँखे मटकाकर।

प्रश्न 5 :- ग्दयांश से 'संकेत' शब्द का समानार्थक शब्द ढूँढकर लिखो।

उत्तर :- इशारा।